

शब्द बोध-

दुष्ट	- बुरी प्रकृति वाला	तमाम	- हर तरह की
जंगली जीव	- जंगल में रहने वाला प्राणी	भय	- डर
प्रयास	- कोशिश	अनसुनी	- बात न सुनना
धोखेबाज़	- छली	खुद	- स्वयं
नसीहत	- सबक		

वर्तनी बोध-

मानक रूप

प्रचलित रूप

मानक रूप

प्रचलित रूप

गड़ढे

गड्डे

अंततः

अन्ततः

शब्द बोध

श्रुतलेख- दुष्ट, जंगली जीव, नसीहत, धोखेबाज़, प्रयास, अनसुनी, गड़ढे, तमाम, खुद, भय,

अभ्यास बोध

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

- (क) जंगल में कौन-सा चालाक जानवर रहता था?
- (ख) गीदड़ ने किसको धोखा दिया?

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

- (क) गीदड़ का स्वभाव कैसा था?
- (ख) गीदड़ ने बकरी के साथ क्या किया?
- (ग) बकरी ने गीदड़ से क्या कहा? →
- (घ) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

2. निम्नलिखित कथन किसने-किससे कहा?

(क) "बकरी बहन! मुझे बचा लो।"

किसने

गीदड़ ने

किससे

बकरी से

(ख) "तुम धोखेबाज़ और चालाक हो।"

बकरी ने

गीदड़ से

3. दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरिए-

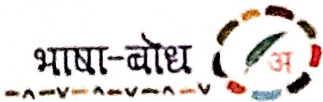
¹स्वभाव, ³बाहर, ⁴नसीहत, ²शिकारियों

(क) गीदड़ स्वभाव से दुष्ट भी था।

(ख) जंगल में शिकारियों ने गहरे गड्ढे खोद दिए।

(ग) गीदड़ बाहर नहीं निकल पा रहा था।

(घ) गीदड़ को इस बात की नसीहत मिल चुकी थी।



हिंदी भाषा में दो प्रकार के वर्ण होते हैं-

1. स्वर

2. व्यंजन

जिन वर्णों को बोलने में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती, उन्हें **स्वर** कहते हैं। जैसे- अ, आ आदि। ये संख्या में 11 होते हैं।

1. अ से औ तक सभी स्वर लिखिए-

अ आ इ ई उ ऊ
ऋ ॠ ऌ ॡ ओ औ

2. दिए गए शब्दों के वचन रूप लिखिए-

शिकारी - शिकारियों

गीदड़ों - गीदड़

बकरियाँ - बकरी

गड्ढा - गड्ढे

3. दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखिए-

(क) एक जंगल में बहुत चालाक गीदड़ रहता था।

(ख) एक बार वह गहरे गड्ढे में गिर गया।

(ग) जब कोई जंगली जीव उसमें गिर जाता तो शिकारी उसे पकड़ लेते।

(घ) यह उससे भी बड़ा गड्ढा था।

चालाक

गहरे

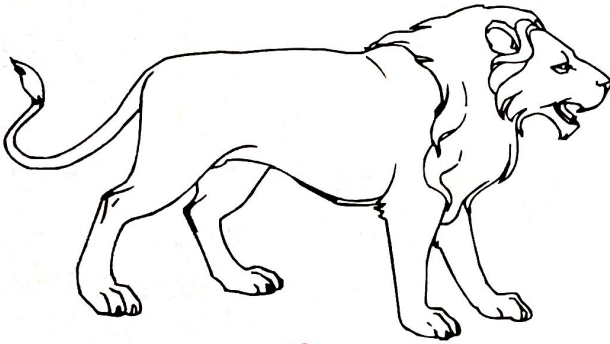
जंगली

बड़ा

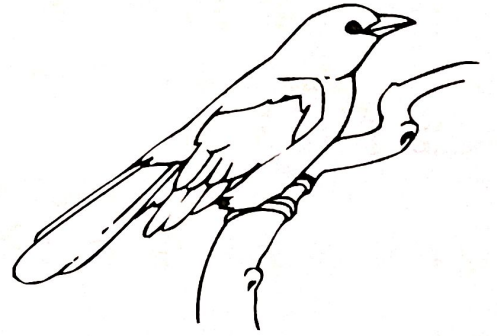
पाठ से आगे



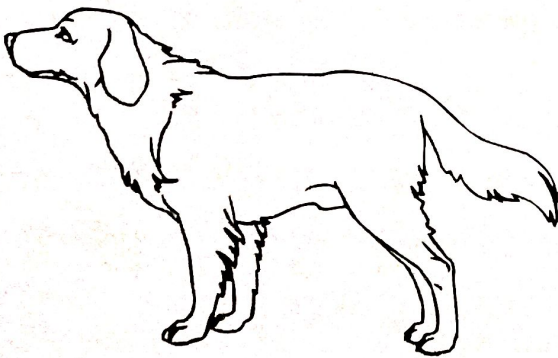
नीचे कुछ पशु-पक्षियों के चित्र दिए गए हैं। उनमें रंग भरिए और उनके नीचे लिखिए कि वे किस गुण के लिए जाने जाते हैं-



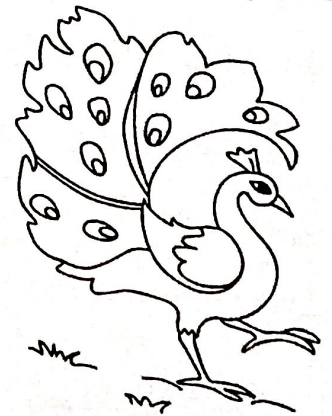
शक्ति



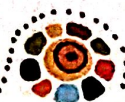
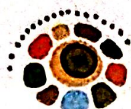
मीठा स्वर



वफादारी



सुंदरता





शब्द बोध

उल्लास	—	उमंग	भाईचारा	—	बंधुत्व की भावना
मुबारकबाद	—	बधाई	प्रदर्शन	—	दिखाना
नफरत	—	घृणा	जाग्रत	—	जगाना

वर्तनी बोध-

मानक रूप

प्रचलित रूप

मानक रूप

प्रचलित रूप

आनंद

आनन्द

अत्यंत

अत्यन्त

संदेश

सन्देश

उद्देश्य

उद्देश्य

शिव कठिन शब्द

श्रुतलेख- त्योहार, आनंद, उल्लास, संदेश, मुबारकबाद, मसजिद, सेवई, परस्पर, सौहार्द, प्रदर्शन, भ्रातृ-भावना, जाग्रत



अभ्यास बोध



मौखिक



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

- ईद किसका त्योहार है?
- हमारे देश में कौन-कौन से प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं?
- रोज़ों के तीसवें दिन आकाश में क्या देखा जाता है?
- ईद के दिन लोग कैसे कपड़े पहनते हैं?
- त्योहारों के बिना हमारा जीवन कैसा होगा?





1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

- (क) ईद का त्योहार हमें क्या संदेश देता है?
- (ख) चाँद किस दिन दिखाई देता है?
- (ग) 'ईद-उल-फ़ितर' का मुख्य पकवान क्या है?
- (घ) 'ईद' के दिन बच्चे और बड़े क्या करते हैं?

2. सही विकल्प चुनकर खाली स्थान भरिए-

- (क) त्योहार मनुष्य के जीवन में ~~उल्लास~~ भर देते हैं। (आलस्य/उल्लास)
- (ख) ईद रोज़े रखने के ~~तीस~~ दिन बाद मनाते हैं। (बीस/तीस)
- (ग) इस दिन विशेष रूप से ~~सेवई~~ बनाई जाती है। (गुझिया/सेवई)
- (घ) ईद ~~मुसलमानों~~ का प्रमुख त्योहार है। (हिंदुओं/मुसलमानों)

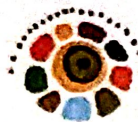
3. किसका क्या संबंध है? रेखा खींचकर सही मिलान कीजिए-

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| 1. राम का अयोध्या लौटना | गिरजाघर में प्रार्थना 4 |
| 2. होली | पूजन और दीपमालिका 1 |
| 3. तीस दिन के रोज़े | रंग, गुलाल और मस्ती 2 |
| 4. ईसामसीह का जन्म | मसजिद में सजदा 3 |



1. 'क्या' लगाकर वाक्य बनाइए-

- (क) त्योहार मनुष्य के जीवन में आनंद और उल्लास भर देते हैं।
त्योहार मनुष्य के जीवन में क्या भर देते हैं?



L-8

(ख) मुसलमान लोग गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद देते हैं।

~~मुसलमान लोग गले मिलकर क्या देते हैं?~~

(ग) ईद से एक महीने पहले मुसलमान लोग रोज़ा रखते हैं।

~~ईद से एक महीने पहले मुसलमान लोग क्या रखते हैं?~~

(घ) मसजिद में लोग नमाज़ पढ़ने जाते हैं।

~~मसजिद में लोग क्या पढ़ने जाते हैं?~~

2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

जीवन ×

मरण

नए ×

पुराने

प्रेम ×

दृष्टा

गरीब ×

अमीर

पाठ से आगे 

1. पाँच त्योहारों के नाम लिखिए-

होली

दीपावली

क्रिसमस

लोहड़ी

दशहरा

P/No- (५९)

2. ईद के त्योहार पर हम क्या-क्या करते हैं? सही वाक्यों को चुनकर एक लेख तैयार कीजिए-

(क) अबीर-गुलाल लगाकर हम एक-दूसरे से गले मिलते हैं।

एक-दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद देते हैं।

(ख) मुसलमान लोग ईद के दिन 'फ़ितरा' देते हैं।

मंदिरों में दान देते हैं।

(ग) ईद का मुख्य पकवान इडली, साँभर है।

ईद का मुख्य पकवान 'सेवई' है।

(घ) तीसवें दिन शाम को चाँद देखा जाता है।

बीसवें दिन शाम को चाँद देखा जाता है।



पृष्ठ-7

गड़टे में गीदड़

- प्र० 1 जंगल में कौन-सा चालाक जानवर रहता था ?
- उ० जंगल में गीदड़ नाम का चालाक जानवर रहता था।
- प्र० 2 गीदड़ ने किसको धोखा दिया ?
- उ० गीदड़ ने बकरी को धोखा दिया।
- प्र० 3 गीदड़ का स्वभाव कैसा था ?
- उ० गीदड़ दुष्ट एवं चालाक स्वभाव का था।
- प्र० 4 गीदड़ ने बकरी के साथ क्या किया ?
- उ० गीदड़ ने बकरी को धोखे से उस गड़टे के पास बुलाया जिसमें वह स्वयं गिरा था। उसने उसे बचाने की बात कहकर उसे गड़टे में खींच लिया और उसपर चढ़ कर बाहर निकल आया।
- प्र० 5 बकरी ने गीदड़ से क्या कहा ?
- उ० बकरी ने गीदड़ से कहा - "तुमने धोखे और चालाकी से मुझे इस गड़टे में गिराया है। लेकिन तुम्हें जीवन में और भी गड़टे मिलेंगे, उनसे तुम कैसे बचोगे।
- प्र० इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?
- उ० किसी दूसरे को गड़टे में गिराने वाला अंततः एक दिन खुद भी गड़टे में गिरता है।

→

लिखो व याद करो -

पाठ - 8

ईद

- प्र.1 ईद किसका त्यौहार है ?
- प्र.2 ईद मुसलमानों का प्रमुख त्यौहार है। हमारे देश में कौन-कौन से प्रमुख त्यौहार मनाए जाते हैं ?
- प्र.3 हमारे देश में होली, दीपावली, ईद, रक्षाबंधन, दशहरा, दुर्गापूजा आदि प्रमुख त्यौहार मनाए जाते हैं।
- प्र.4 रोजों के तीसरे दिन आकाश में क्या देखा जाता है ?
- प्र.5 रोजों के तीसरे दिन आकाश में चाँद देखा जाता है।
- प्र.6 ईद के दिन लोग कैसे कपड़े पहनते हैं ?
- प्र.7 ईद के दिन लोग नए-नए कपड़े पहनते हैं।
- प्र.8 त्यौहारों के बिना हमारा जीवन कैसा होगा ?
- प्र.9 त्यौहारों के बिना हमारा जीवन नीरस एवं अंधूरा होगा।
- प्र.10 ईद का त्यौहार हमें क्या संदेश देता है ?
- प्र.11 ईद का त्यौहार हमें मातृभावना तथा प्रेम भावना का संदेश देता है।
- प्र.12 चाँद किस दिन दिखाई देता है ?
- प्र.13 रोजों से तीसरे दिन चाँद दिखाई देता है।
- प्र.14 ईद-उल-फितर का मुख्य पकवान क्या है ?
- प्र.15 ईद-उल-फितर का मुख्य पकवान 'सेवई' है।
- प्र.16 ईद के दिन बच्चे और बड़े क्या करते हैं ?
- प्र.17 ईद के दिन बच्चे और बड़े नए-नए कपड़े पहन कर मसजिद में नमाज अदा करते हैं। फिर एक-दूसरे के गले मिलते हैं।